आत्मा की दैवी भूमितीय रचना

1 सुख (अग्नी तत्व) मणिपूर चक्र
2 प्रेम (वायु तत्व) अनहद चक्र
3 दृढता
4 नम्रता
5 अन्तर्मुखता और सत्यता
6 सामना करने की शक्ति
7 परखने की शक्ति
8 सहयोग की शक्ति
9 सहनशक्ति
10 शान्ति (आकाश तत्व) विशुध्दि चक्र
11 पवित्रता (जल तत्व) स्वाधिष्ठान चक्र
12 शक्ति (पृथ्वी तत्व) मूलाधार चक्र
13 आनंद (समेटने की शक्ति, संतुष्टता, फरिश्ता स्थिती) सहस्त्रार चक्र
14 मन- विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति (सचेतन मन)
15 संस्कार- समाने की शक्ति संस्कार (अचेतन मन)
16 बुध्दि- ज्ञान, निर्णयशक्ति, ईथर तत्व (अवचेतन मन) आज्ञा चक्र

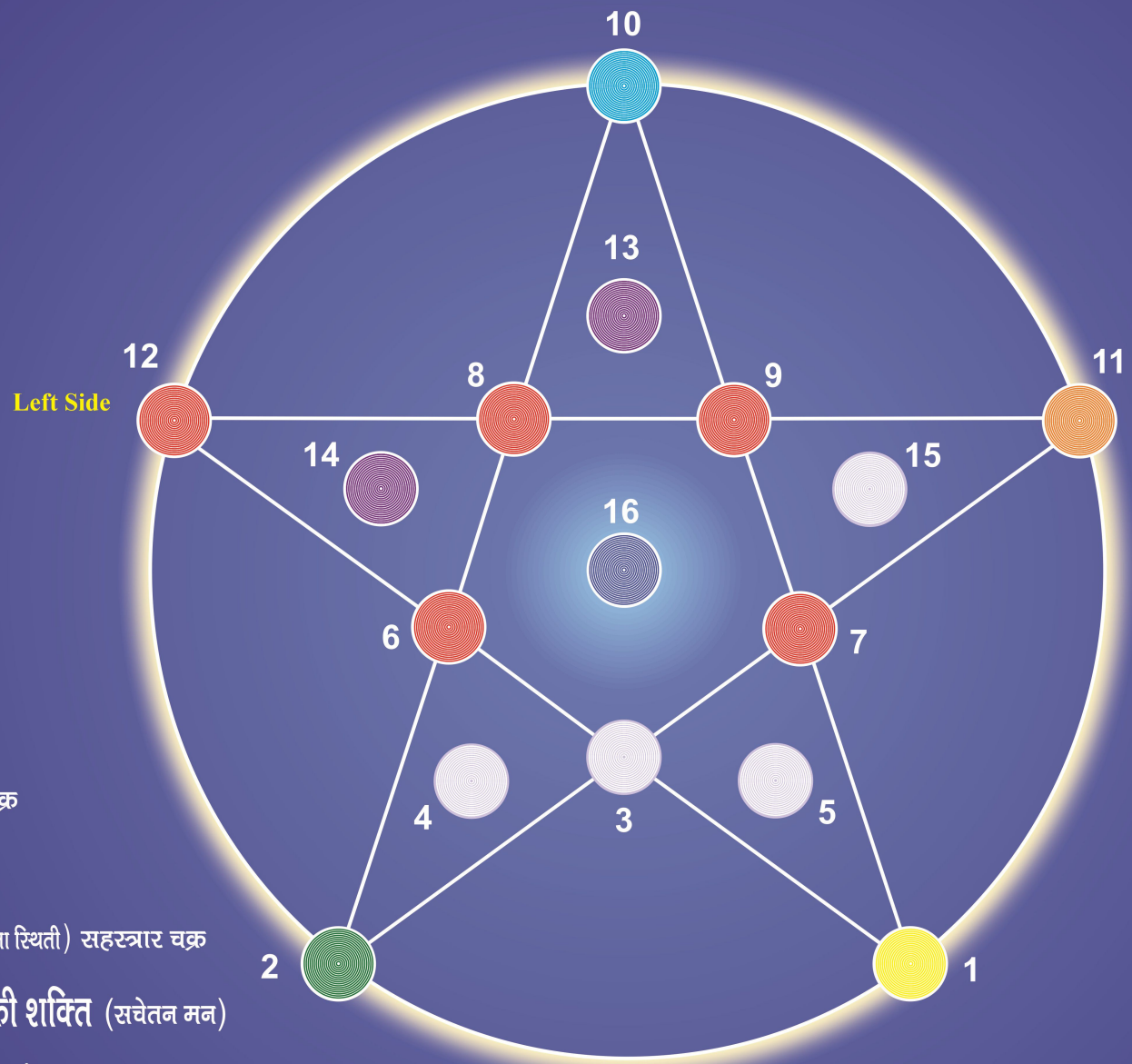

आत्मा के 16 उर्जाबिंदु

मस्तिष्क में आत्मा का स्थान